Under CSR Support by
ipca | Foundation

नए परीक्षा पैटर्न पर आधारित

RSSB CET 2026

12th Level + Graduation Level

HINDI

समास #3

Theory + MCQs + PYQs

एकदम ZERO LEVEL से शुरुआत

Under CSR Support by
ipca | Found
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

• तत्पुरुष समास के मुख्य भेद = 06.

= विभक्ति के आधार पर

1. कर्म तत्पुरुष समास — 'को' विभक्ति का लोप। (उत्तर पद प्रधान)

→ पूर्व पद 'कर्म कारक' होगा।

(पूर्व पद + को + उत्तर पद)

- पदप्राप्त — पद को प्राप्त
- यशप्राप्त — यश को प्राप्त
- अधिकारप्राप्त — अधिकार को प्राप्त
- अधिकारोन्मुख — अधिकार को उन्मुख
- रोजगारोन्मुख — रोजगार को उन्मुख
- प्राप्तोदक — उदक को प्राप्त
- दिलतोड़ — दिल को तोड़ने वाला
- चिड़ीमार — चिड़ियों को मारने वाला
- जेबकतरा — जेब को कतरने वाला

= 10/15++

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

२. करण तत्पुरुष समास :—

'के द्वारा / से' विभक्तियों का प्रयोग।

→ करण = माध्यम | उपकरण | साधन ✓

- तुलसीकृत → तुलसी के द्वारा कृत
- हस्तलिखित → हस्त के द्वारा लिखित
- मनमना → मन से माना हुआ
- मनचाहा → मन से चाहा हुआ
- ईश्वरदत्त → ईश्वर के द्वारा दत्त
- ईश्वरप्रदत्त → ईश्वर के द्वारा प्रदत्त
- बाढ़पीड़ित → बाढ़ से पीड़ित

- रोगपीड़ित →
- प्रेमपीड़ित →
- आँखोंदेखी →
- कष्टसाध्य →

10 | 15++

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

3. सम्प्रदान तत्पुरुष समास :-

'के लिए'- विभक्ति का प्रयोग

→ पूर्व पद + के लिए + उत्तर पद — प्रधान ✓

→ सम्प्रदान कारक ✓

- हवनसामग्री → हवन के लिए सामग्री ✓
- विद्यालय → विद्या के लिए आलय
- रसोईघर → रसोई के लिए घर
- पाठशाला → पाठ के लिए शाला
- हिमालय → हिम के लिए आलय

- राहखर्च → राह के लिए खर्च ✓
- मार्गव्यय → मार्ग के लिए व्यय ✓
- रोकड़बही → रोकड़ के लिए बही ✓
- देशभक्ति* → देश के लिए भक्ति
- आरामकुर्सी – आराम के लिए कुर्सी
- गुरुदक्षिणा – गुरु के लिए दक्षिणा
- यज्ञशाला – यज्ञ के लिए शाला

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

5. अपादान तत्पुरुष समास :—

'से' – विभक्ति का प्रयोग ✓

→ अलगाव / दूरी के भाव में

→ पूर्व पद + से + उत्तर पद } — उत्तर पद प्रधान ✓

→ अपादान कारक

- पदभ्रष्ट → पद से भ्रष्ट
- पथभ्रष्ट → पथ से भ्रष्ट
- पदहीन → पद से हीन
- पदमुक्त → पद से मुक्त
- पदच्युत → पद से च्युत

- ऋणमुक्त
- कर्ज मुक्त
- पदविमुख
- कर्तव्यविमुख
- धर्मविमुख
- बलहीन
- कर्महीन
- बलरहित
- दोषरहित
- आतिशहर
- दोषमुक्त
- आतिशहिष्कृत
- सेवानिवृत्त
- पदनिवृत्त
- भयानक
- भयभीत
- भयाकुल

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

5. सम्बन्धवाचक तत्पुरुष समास :-

'का, की, के' - विभक्तियों का प्रयोग ✓

पूर्व पद + का/की/के + उत्तर पद } - प्रधान

→ सम्बन्ध कारक

- राजमाता → राजा की माता
- राजभवन → राजा का भवन
- राजपुत्र → राजा का पुत्र
- राजपुत्री → राज की पुत्री
- युवराज → राजा का युवा

- देशभक्त → देश का भक्त
- वनवास → वन का वास
- जलधारा → जल की धारा
- मातृभाषा → मातृ (माता) की भाषा
- राजभाषा → राज की भाषा
- राष्ट्रभाषा → राष्ट्र की भाषा

कन्यादान :- कन्या का दान

कन्या का आदान-प्रदान ✗

कन्या के लिए दान

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

6. अधिकरण तत्पुरुष समास :—

'में / पर' विभक्ति का प्रयोग

में — अन्दर की स्थिति

पर — ऊपर (अधीन / आश्रित) की स्थिति

(पे) — विभक्ति का प्रयोग नहीं किया जाता है।

- मुनिश्रेष्ठ — मुनियों में श्रेष्ठ
- मुनिवर — मुनियों में वर
- कविवर — कवियों में वर

हतश्री — श्री से हत

•प्रातोदक — उदक को प्रात

युवराज — राजा का युवा